

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय,सूरत

Undergraduate Program in Hindi

Degree Course(B.A.)

Semester-5 Hindi Minor -4

सेमेस्टर-5

प्रश्नपत्र-4 आधुनिक हिंदी काव्य - महाप्रस्थान- नरेश महेता

कोर्सकोड				
कोर्स शीर्षक	प्रश्नपत्र-4 महाप्रस्थान- नरेश महेता			
कोर्स लेवल	200			
क्रेडिट	4 क्रेडिट			
टोटलइंगेजमेंट	4 Credits X 15 Hours=60 Hours			
टीचिंग/सप्ताह	4लेक्चर/सप्ताह			
मिनिममवीक्स/ सेमेस्टर	15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)			
प्रभावीवर्ष	2025-26 से			
पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective	1.भारतीय साहित्य में काव्य के उद्भव और विकास को समझाना । 2. नरेश महेता के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय देना। 3. 'महाप्रस्थान' के काव्य स्वरूप, कथावस्तु, पात्रों और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं का विश्लेषण प्रस्तुत कराना।			
पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)	Co 1. विद्यार्थी भारतीय काव्य और 'महाप्रस्थान' के महत्व को समझेंगे। Co 2. विद्यार्थी नरेश महेता के काव्य की गहराई, उसकी कथा संरचना, पात्रों के चरित्र और संवाद-योजना का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। Co 3. विद्यार्थी 'महाप्रस्थान' के उद्देश्य और शीर्षक की सार्थकता को समझ सकेंगे।			
मैपिंग COs with PSOs		PSO1	PSO2	PSO3
	CO1			
	CO2			
	CO3			
Pre-requisite	HINDI			
पाठ्यक्रम	इकाई-1 भारतीय साहित्य में काव्य का उद्भव और विकास नरेश महेता: व्यक्तित्व एवं कृतित्व 'महाप्रस्थान' : काव्य स्वरूप 'महाप्रस्थान' : कथावस्तु			16

	इकाई-2 'महाप्रस्थान' एक समस्या-प्रधान खण्डकाव्य 'महाप्रस्थान' का स्वर्ग पर्व 'महाप्रस्थान' के प्रमुख पात्र: युधिष्ठिर, द्रौपदी, भीम, अर्जुन	16
	इकाई-3 'महाप्रस्थान' के गौण पात्र 'महाप्रस्थान' का यात्रा पर्व 'महाप्रस्थान' का स्वाहा पर्व	14
	इकाई-4 'महाप्रस्थान' में संवाद-योजना 'महाप्रस्थान' का उद्देश्य 'महाप्रस्थान' : शीर्षक की सार्थकता	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1. बहुविकल्पी प्रश्न (10) एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक) प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (14x 2 = 28अंक) प्रश्न-4. (अ) इकाई 3 और 4 से एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6x1 = 6अंक) (ब) पठित काव्य से एक संदर्भ व्याख्या का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6x1 = 6अंक)	
सहायक-ग्रंथ	1. महाप्रस्थान- नरेशमहेता 2. नरेश महेता: कविता की ऊर्ध्व-यात्रा -डॉ. राजलकमल राय 3. नरेश महेता: एकांत शिखर-प्रमोद त्रिवेदी 4. हिंदी राम काव्य नये संदर्भ- डॉ. प्रेमिला अवस्थी 5. हिंदी साहित्य में रूपक-कथा-काव्य: उद्भव और विकास-डॉ. नूरजहाँ बेगम 6. आधुनिकता से आगे श्री नरेश महेता -मीरा श्री वास्तव	
ई-लर्निंग स्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति, सामूहिक-चर्चा, प्रश्नोत्तरी, पीपीटी द्वारा, श्रव्य-दृश्य माध्यम, कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative & 50% SEE (Semester End Evaluation) Summative	

M.M.A.

सेमेस्टर-5

प्रश्नपत्र-5 हिंदी नाटक - एक और द्रोणाचार्य-शंकर शेष

कोर्सकोड					
कोर्स शीर्षक	प्रश्नपत्र-5 एक और द्रोणाचार्य-शंकर शेष				
कोर्स लेवल	200				
क्रेडिट	4 क्रेडिट				
टोटलइंगेजमेंट	4 Credits X 15 Hours=60 Hours				
टीचिंग/सप्ताह	4लेक्चर/सप्ताह				
मिनिममवीक्स/ सेमेस्टर	15(Including class work, Examination, Preparation, Holidays etc.)				
प्रभावीवर्ष	2025-26 से				
पाठ्यक्रम का उद्देश्य Purpose of Course/ Course Objective	1. भारतीय नाटक के उद्भव और विकास को समझाना । 2.शंकर शेष के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय देना। 3. नाटक 'एक और द्रोणाचार्य' के कथानक, पात्रों, संवाद-योजना, तथा उसके सामाजिक और शैक्षिक मुद्दों का विश्लेषण प्रस्तुत कराना।				
पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)	Co 1. विद्यार्थी 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की समस्याओं, पात्रों और शिक्षा व्यवस्था पर उसकी टिप्पणी को समझ पाएंगे। Co 2. विद्यार्थी नाटक की संवाद-योजना, भाषा, उद्देश्य और रंगमंचीयता को भी विश्लेषित करने में सक्षम होंगे। Co 3. विद्यार्थी नाटक में वर्णित व्यवस्था एवं बुद्धिजीवी वर्ग के संघर्ष को समझने में सक्षम होंगे।				
मैपिंग COs with PSOs		PSO1	PSO2	PSO3	
	CO1				
	CO2				
	CO3				
Pre-requisite	HINDI				
पाठ्यक्रम	इकाई-1 भारतीय साहित्य में नाटक का उद्भव और विकास शंकर शेष का : व्यक्तित्व एवं कृतित्व ‘एक और द्रोणाचार्य’ नाटक की कथा ‘एक और द्रोणाचार्य’ नाटक में चित्रित समस्याएँ ‘एक और द्रोणाचार्य’ नाटक में वर्तमान शिक्षण व्यवस्था				16
	इकाई-2 ‘एक और द्रोणाचार्य’ नाटक के प्रमुख पात्र(अरविंद,				16

	विमलेंदु, अनुराधा आदि)	
	इकाई-3 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक के गौण पात्र 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की संवाद-योजना 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में देशकाल	14
	इकाई-4 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की भाषा 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का उद्देश्य 'एक और द्रोणाचार्य' में व्यवस्था एवं बुद्धिजीवी का संघर्ष 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का रंगमंचियता	14
अंक-विभाजन कुल गुण-50	प्रश्न-1. बहुविकल्पी प्रश्न (10) एक अंक का एक- बहुविकल्पी प्रश्न (10x 1= 10 अंक) प्रश्न-2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (14x 2 = 28अंक) प्रश्न-4. (अ) इकाई 3 और 4 से एक टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6x1 = 6 अंक) (ब) पठित नाटक से एक संदर्भ व्याख्या का प्रश्न (दो विकल्प में से एक) (6x1 = 6 अंक)	
सहायक-ग्रंथ	1. 'एक और द्रोणाचार्य'- शंकर शेष लोकभारती प्रकाशन 2. हिंदी नाटक: आज तक -डॉ. वीणागौतम 3. समकालीन हिंदी नाटकों में चित्रित-सृष्टी-डॉ. जयदेव तनेजा 4. आज का हिंदी नाटक प्रगति और प्रभाव- डॉ. दशरथ ओझा 5. समकालीन हिंदी नाटक -डॉ. गीरीश रस्तोगी 6. हिंदी नाटक -बच्चन सिंह	
ई-लर्निंग स्रोत	1. https://cec.nic.in/cec/ 2. https://epathshala.nic.in/ 3. https://swayam.gov.in/	
शिक्षण प्रविधि	व्याख्यान पद्धति, ब्लैक-बोर्ड पद्धति, सामूहिक-चर्चा, प्रश्नोत्तरी, पीपीटी द्वारा, श्रव्य-दृश्य माध्यम, कहानी-कथोपकथन द्वारा, असाइमेंट द्वारा	
मूल्यांकन पद्धति	50% CCE (Continuous and Comprehensive Evaluation)-Formative & 50% SEE (Semester End Evaluation) Summative	

M.M.N